देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 195 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स का कानून

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 6 नवंबर 2021

मौसम अधिकतम 24.0° न्यूनतम 14.0° | 40243.39 | 2 पाक में पेट्रोल से भी महंगी हुई चीनी | 7 बीते 50 साल के सबसे अनलकी कप्तान

पहाड़ का पानी और जवानी अब आयेगी पहाड़ के काम

प्रधानमंत्री ने किया 400 करोड़ के केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यो का लोकार्पण तथा शिलान्यास

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ धाम में गोवर्धन पूजा के अवसर पर शुक्रवार को बाबा केदार की पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 400 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें आदि गुरू श्री शंकराचार्य जी के पुनर्निर्मित समाधि स्थल और नई प्रतिमा का अनावरण के साथ तीर्थ पुरोहितों के आवास, सरस्वती नदी के तट पर बाढ़ सुरक्षा तथा घाटों का निर्माण, मन्दाकिनी नदी तट पर बाढ़ सुरक्षा हेतु भार वाहक दीवार, गरुड़ चट्टी के लिये मन्दाकिनी नदी पर पुल के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री द्वारा जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया उनमें श्री केदारनाथ धाम में संगम घाट का पुनर्विकास एवं रेन शैल्टर शेड, प्राथमिक चिकित्सा एवं पर्यटक सुविधा केन्द्र, मन्दाकिनी आस्था पथ पंक्ति प्रबन्धन, मन्दाकिनी वाटर एटीएम एवं मन्दाकिनी प्लाजा, प्रशासनिक कार्यालय एवं अस्पताल भवन, केदारनाथ तीर्थ स्थल में संग्रहालय (म्यूजियम) परिसर, सरस्वती सिविक एमेनिटी भवन का निर्माण कार्य शामिल है। इस अवसर पर राज्यपाल ले.ज.(से.नि) गुरमीत सिंह, कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत, विधायक एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन कौशिक, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. सन्धु आदि भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केदारनाथ के दौरे पर हैं। पीएम ने जय बाबा केदार के साथ अपना संबोधन शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा के दिन बाबा केदारनाथ के दर्शन का सौभाग्य मिला। पीएम ने कहा कि 2013 के विनाश के बाद, लोग सोचते थे कि क्या केदारनाथ का पुनर्विकास किया जा सकता है। लेकिन मेरे भीतर की एक आवाज ने हमेशा मुझसे कहा कि केदारनाथ का फिर से विकास होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे यहां सदियों से चारधाम यात्रा का महत्व रहा है। इसके अलावा पीएम ने शंकराचार्य, राम मंदिर, पयर्टन आदि कई मुद्दों को अपने संबोधन में शामिल किया।

अयोध्या को उसका गौरव मिल रहा वापस

पीएम ने कहा कि अब हमारी सांस्कृतिक विरासतों को, आस्था के केन्द्रों को उसी गौरवभाव से देखा जा रहा है, जैसा देखा जाना चाहिए। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे गौरव के साथ बन रहा है, अयोध्या को उसका गौरव वापस मिल रहा है। पीएम मोदी ने जय केदरानाथ के साथ अपने संबोधन को समाप्त किया।

सीएम सहित इन लोगों का पीएम ने किया धन्यवाद

पीएम ने कहा कि आदि भूमि पर शाश्वत के साथ आधुनिकता का ये मेल, विकास के ये काम भगवान शंकर की सहज कृपा का ही परिणाम हैं। पीएम ने कहा,श्मैं इन पुनीत प्रयासों के लिए उत्तराखंड के, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी का, और इन कामों की जिम्मेदारी उठाने वाले सभी लोगों का भी धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2013 के विनाश के बाद, लोग सोचते थे कि क्या केदारनाथ का पुनर्विकास किया जा सकता है।

पीएम मोदी ने समझाया शंकर का अर्थ

पीएम मोदी ने शंकर का अर्थ भी समझाया। कहा, शंकर का संस्कृत में अर्थ है- "शं करोति सः शंकरः, यानी जो कल्याण करे, वही शंकर है। इस व्याकरण को भी आचार्य शंकर ने प्रत्यक्ष प्रमाणित कर दिया। पीएम ने कहा कि उनका पूरा जीवन जितना असाधारण था, उतना ही वो जन-साधारण के कल्याण के लिए समर्पित थे। इसके साथ ही बताया कि आदि शंकराचार्य ने पवित्र मठों की स्थापना की, चार धामों की स्थापना की, द्वादश ज्योतिर्लिंगों का पुनर्जागरण का काम किया। आदि शंकराचार्य सबकुछ त्यागकर देश, समाज और मानवता के लिए जीने वालों के लिए एक सशक्त परंपरा खड़ी की।

संक्षिप्त समाचार

जेवीसी बेमिना अस्पताल के बाहर आतंकी हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

श्रीनगर। श्रीनगर में आतंकवादियों ने एक बार फिर सुरक्षाबलों को निशाना बनाने का प्रयास किया। यह हमला बेमिना स्थित स्किम्स अस्पताल के साथ लगते जेवीसी अस्पताल के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर किया गया। आतंकवादी अचानक से आए और उन्होंने अस्पताल के बाहर नाके पर तैनात सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसाना शुरू कर दी। इस हमले में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने इस्तीफा लिया वापस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में अब सब ठीक होता दिख रहा है। हालांकि, मामला अभी कई स्थानों पर अटकता भी दिख रहा है। 28 सितंबर को अचानक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर उन्होंने हर किसी को चौंका दिया था। हालांकि, अब उन्होंने इस्तीफा वापस लेने की घोषणा कर दी है।

शीतकाल के लिए आज बंद होंगे केदार धाम के कपाट

अब बाबा शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में ही भक्तों के देंगे दर्शन

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद करने प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को सबुह ठीक आठ बजे कपाट शीतकाल के छह महीनों के लिए बंद कर दिए जाएंगे। देवस्थानम बोर्ड ने बाबा की उत्सव डोली को सजाने का कार्य शुरू कर दिया है। सुबह तड़के चार बजे से मंदिर के कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। अब आने वाले छह महीनों तक भोले बाबा शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में ही भक्तों के दर्शन देंगे।

छह महीने तक उच्च हिमालय में विराजमान रहने मे बाद अब शीतकाल के लिए भाले के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। मुख्य पुजारी बागेश लिंग ने बताया कि शनिवसार सुबह ठीक आठ बजे केदारनाथ धाम कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। इससे पूर्व स्वंभू शिवलिंग पर घी का लेप से ढक देंगे। जिसके बाद तय समय पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मुख्य द्वार को सीलबंद कर दिया जाएगा। भोले बाबा की उत्सव डोली को देवस्थानम बोर्ड ने सजाने का कार्य शुरू कर दिया है। डोली अपने प्रथम रात्रि निवास के लिए फाटा-रामपुर पहुंचेगी। दूसरे दिन यानी सात नवंबर को डोली विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची। आठ नवंबर को ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान हो जाएगी। सभी भक्त आने वाले छह महीनों के लिए यहीं पर बाबा के दर्शन कर सकेंगे। इस संबंध में देवस्थानम बोर्ड के केदारनाथ मंदिर प्रभारी युद्ववीर सिह पुष्पवाण ने बताया कि उत्सव डोली को श्रृंगार किया जा रहा है।

केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने से पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा केदार की पूजा अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 18 मिनट तक की पूजा।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम के कपाट

अन्नकूट के पर्व पर शुक्रवार दोपहर 11 बजकर 45 बजे गंगोत्री धाम के कपाट बंद किए गए। इसके बाद मां गंगा की डोली जयकारों के साथ मुखवा के लिए रवाना हुई। धाम के कपाट बंद होने से अब श्रद्धालु मां गंगा के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास मुखीमठ (मुखवा) में कर सकेंगे। उधर, यमुनोत्री धाम के कपाट कल भैया दूज के अवसर पर दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर होंगे।

पटाखों पर बैन के बावजूद आतिशबाजी, हवा हुई जहरीली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिवाली पर खूब पटाखे जलाए जाने के बाद शुक्रवार को सुबह घने कोहरे की मोटी परत छाई रही जिसके कारण कई हिस्सों में निवासियों को गले में जलन और आंखों में पानी आने की दिक्कतों से जूझना पड़ा। शुक्रवार को पराली जलाए जाने से उठने वाले धुएं के कारण हालात और बिगड़ सकते हैं। माना जा रहा है कि अगर पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर अगर अगले 48 घंटों तक 300 और 500 से ज्यादा बना रहता है तो वायु गुणवत्ता को आपात श्रेणी में माना जाएगा। दोपहर 3 बजे तक भी दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई का लेवल बेहद खतरनाक श्रेणी 531 पर बना हुआ था।

दिल्ली में आपात स्थिति में पहुंच सकती है एयर क्वालिटी:

सीपीसीबी के मुताबिक दिल्ली एनसीआर में पीएम2.5 की 24 घंटे की औसत सांद्रता बढ़कर शुक्रवार को सुबह नौ बजे 410

प्रदूषण

■एक्यूआई दिल्ली में 500 और नोएडा में पहुंचा 600 के पार

माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गई जो 60 माइकोग्राम प्रति घन मीटर की सुरक्षित दर से करीब सात गुना अधिक है। पीएम10 का स्तर शुक्रवार को सुबह करीब पांच बजे 500 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के आंकड़ें को पार कर गया और सुबह नौ बजे यह 511 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के अनुसार, अगर पीएम2.5 और पीएम10 का स्तर 48 घंटों या उससे अधिक समय तक क्रमशरू 300 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और 500 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रहता है तो वायु गुणवत्ता आपातश स्थिति में मानी जाती है।

दिल्ली में कम तापमान और सुबह कोहरा छाए रहने से प्रदूषक तत्वों के एकत्रित होने के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह आठ बजे बढ़कर 451 दर्ज किया गया।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

53 देशों में आ सकती है कोरोना की नई लहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डॉ. क्लेज ने कहा, यूरोप फिर से महामारी के केंद्र में है

जिनेवा। दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। ऐसे में डब्ल्यूएचओ के टॉप अधिकारी ने आशंका जताई है कि 53 देशों के एक बड़े इलाके में कोरोना की एक नई लहर आ सकती है। जी हां, विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख डॉ हैन्स क्लेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि मामलों की संख्या फिर से करीब-करीब रेकॉर्ड स्तर तक बढ़ने लगी है और क्षेत्र में प्रसार की रफ्तार 'गंभीर चिंता' का विषय है। उन्होंने यह कहकर चिंता पैदा कर दी है कि ऐसा ही रहा तो फरवरी तक पांच लाख और लोगों की महामारी के कारण मौत हो सकती है।

यूरोप और मध्य एशिया के 53 देशों के क्षेत्र में कोरोना वायरस की एक और लहर आने का खतरा है या वे पहले से ही महामारी की नई लहर का सामना कर रहे हैं। उन्होंने डेनमार्क के कोपनहेगन में संगठन के यूरोप मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, श्हम महामारी के उभार को लेकर एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। उन्होंने कहा, यूरोप फिर से महामारी के केंद्र में है जहां हम एक साल पहले थे।